स्मार्ट सिटीज़ मिशन के लिये थर्ड-पार्टी ऑडिट

प्रिलिम्स के लिये:

स्मार्ट सिटीज़ मिशन, केंद्र प्रायोजित योजना, सतत् विकास, विशेष प्रयोजन वाहन (SPV), सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP), शहरी, कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये अटल मिशन (अमृत), प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (PMAY-U), क्लाइमेट स्मार्ट सिटीज़ असेसमेंट फ्रेमवर्क 2.0

मेन्स के लिये:

स्मार्ट सिटीज़ मिशन का विश्लेषण

स्रोत: लाइव मिंट

चर्चा में क्यों?

हाल ही में आवास और शहरी मामलों पर एक संसदीय स्थायी समिति ने स्मार्ट सिटीज़ मिशन (SCM) के तहत परियोजनाओं के **थर्ड-पार्टी असेसमेंट** (तृतीय-पक्ष मूल्यांकन) की मांग की है।

- इसका उद्देश्य विशेष रूप से छोटे शहरों में **कार्यान्वयन में आने वाली कमियों को दूर करना** है।

संसदीय स्थायी समिति:

- **परिचय:**
  - **स्थायी समितियाँ** स्थायी होती हैं (प्रत्येक वर्ष या समय-समय पर गठित) और निरंतर आधार पर कार्य करती हैं।
- **समितियों के प्रकार:**
  - उनके कार्यों, सदस्यता और कार्यकाल के आधार पर समितियों को दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है:**स्थायी समितियाँ** और **तदर्थ समितियाँ**।
- **स्थायी समितियों को 6 प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है:**
  - वित्तीय समितियाँ
  - विभागीय स्थायी समितियाँ
  - जाँच समितियाँ
  - जाँच और नियंत्रण के लिये समितियाँ
  - सदन के दिन-प्रतिदिन के कामकाज से संबंधित समितियाँ
  - गृह व्यवस्था समितियाँ या सेवा समितियाँ
- **तदर्थ समितियाँ** अस्थायी प्रकृति की होती हैं और उन्हें सौंपे गए कार्य पूरे होने के बाद भंग कर दिया जाता है। इन्हें आगे निम्न भागों में विभाजित किया गया है:
  - जाँच समितियाँ
  - सलाहकार समितियाँ

SCM के लिये थर्ड-पार्टी ऑडिट की क्या आवश्यकता है?

- **मूल्यांकन और पारदर्शिता:** थर्ड-पार्टी असेसमेंट (तृतीय-पक्ष मूल्यांकन) SCM के तहत **परियोजना की प्रगति और प्रभाव का निष्पक्ष विश्लेषण** प्रदान करते हैं, जिससे **कार्यान्वयन अंतराल** तथा **सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में मदद** मिलती है।
  - वे पारदर्शिता **भी बढ़ाते हैं** तथा नागरिकों, सरकारी निकायों और निवेशकों सहित हितधारकों के बीच **विश्वास को बढ़ावा** देते हैं।
- **साक्ष्य-आधारित नीति:** इससे यह पता लगा सकता है कि शहरी विकास में विशेष प्रयोजन वाहनों (SPV) की विशेषज्ञता

को [अमृत]() और [DAY-NULM]() जैसी अन्य पहलों पर कैसे लागू किया जा सकता है, जिससे शहरी परिवर्तन कार्यक्रमों के व्यापक प्रभाव को बढ़ाया जा सके।

- **असमानताओं को दूर करना:** बड़े शहर बेहतर संसाधनों के कारण अच्छा प्रदर्शन करते हैं, जबकि **छोटे शहरों, विशेष रूप से पूर्वोत्तर में, परियोजना निष्पादन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है,** इसलिये **स्वतंत्र ऑडिट इन असमानताओं को उजागर कर सकते हैं और सुधार का सुझाव** दे सकते हैं।
  - इसके अलावा, थर्ड-पार्टी असेसमेंट (तृतीय-पक्ष मूल्यांकन) से **टियर 2 शहरों के लिये रणनीति तैयार की जा सकती है, जिससे संतुलित विकास को बढ़ावा मिलेगा और महानगरीय क्षेत्रों में भीड़भाड़ कम होगी।**
- **शहरी स्थानीय निकायों (ULB) को मज़बूत करना:** कई [ULB]() में SCM के तहत बड़े पैमाने की परियोजनाओं का प्रबंधन करने के लिये तकनीकी और वित्तीय क्षमता का अभाव है।
  - तृतीय-पक्ष मूल्यांकन (तृतीय-पक्ष मूल्यांकन) **शहरी नियोजन और शासन को बढ़ाने के लिये सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान** कर सकता है, साथ ही **सूचित नीति निर्माण तथा कुशल संसाधन आवंटन** के लिये **डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि** प्रदान कर सकता है।
- **भावी योजना और स्थिरता: यह SCM के भावी चरणों की योजना बनाने, स्थिरता सुनिश्चित करने और शहरी विकास आवश्यकताओं के साथ संरेखण** के लिये बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।
  - वे आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों पर विचार करते हुए **शहरी विकास के लिये अधिक एकीकृत दृष्टिकोण** अपनाने में भी योगदान देते हैं।

स्मार्ट सिटीज़ मिशन (SCM) क्या है?

- **परिचय:** SCM एक **केंद्र प्रायोजित योजना** है जिसे **जून 2015** में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य **भारत के 100 शहरों को आवश्यक बुनियादी ढाँचा** प्रदान करके उनका रूपांतरण करना है।
  - **इसके अतिरिक्त, "स्मार्ट सॉल्यूशंस"** के अनुप्रयोग के माध्यम से अपने नागरिकों को जीवन की सभ्य गुणवत्ता प्रदान करने के लिये **शहरों में एक स्वच्छ और धारणीय वातावरण प्रदान करना।**
- **उद्देश्य:**
  - **संसाधनों**, हरित स्थानों और पर्यावरणीय स्थिरता के **कुशल उपयोग को बढ़ावा देना।** स्वच्छ जल, विद्युत, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा और सार्वजनिक सुविधाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना।
  - **डिजिटल प्लेटफॉर्म,** ई-गवर्नेंस और नागरिक भागीदारी के माध्यम से **शासन को बेहतर बनाना।** विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिये किफायती आवास समाधान प्रदान करना।
  - स्मार्ट यातायात प्रबंधन के साथ सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों में सुधार करना और **भीड़भाड़ को कम करना।**
  - निगरानी और आपातकालीन सेवाओं के माध्यम से **नागरिकों, विशेष रूप से कमज़ोर समूहों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।** सेवाओं तथा सूचनाओं तक निर्बाध पहुँच के लिये मज़बूत IT बुनियादी ढाँचे का निर्माण करना।
  - अन्य शहरों के लिये अनुकरणीय **सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करने हेतु आदर्श शहर विकसित करना।**
- **मुख्य घटक:**
  - **क्षेत्र-आधारित विकास:**
    - **पुनर्विकास:** उन्नत बुनियादी ढाँचे के साथ मौजूदा शहरी क्षेत्रों का उन्नयन (उदाहरणार्थ, भिंडी बाज़ार, मुंबई)।
    - **रेट्रोफिटिंग:** मौजूदा इलाकों में बुनियादी ढाँचे का आधुनिकीकरण (उदाहरण के लिये, अहमदाबाद का स्थानीय क्षेत्र विकास)।
    - **ग्रीनफील्ड विकास:** नए, धारणीय शहरी स्थानों का निर्माण (जैसे- न्यू टाउन कोलकाता, गिफ्ट सिटी)।
  - **पैन-सिटी सॉल्यूशंस:**
    - **[ई-गवर्नेंस](), [अपशिष्ट]() और जल प्रबंधन, शहरी गतिशीलता** तथा **ऊर्जा दक्षता** जैसे क्षेत्रों में [सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT)]() समाधानों को अपनाना।
- **शासन संरचना:** नौकरशाहों या उद्योग प्रतिनिधियों के नेतृत्व में [कंपनी अधिनियम, 2013]() **के** तहत स्थापित **विशेष प्रयोजन वाहनों (SPV)** के माध्यम से कार्यान्वयन।
  - वित्तपोषण के लिये [सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल]() पर ज़ोर दिया जाएगा।

नोट: SCM के अंतर्गत प्रमुख विकास

- **पूर्ण की गई परियोजनाएँ:**
  - प्रारंभ में इसे **वर्ष 2020** तक पूरा करने के लिये निर्धारित किया गया था, लेकिन SCM की समय-सीमा को मार्च 2025 तक बढ़ा दिया गया।
  - 3 जुलाई 2024 तक, **1.6 लाख करोड़ रुपए** की **8,000 से अधिक बहु-क्षेत्रीय परियोजनाओं** में से 1,44,237 करोड़ रुपए की **7,188 परियोजनाएँ (90%) पूरी हो चुकी हैं।**
  - **शेष 830 परियोजनाएँ** जिनकी लागत 19,926 करोड़ रुपए है, **कार्यान्वयन के उन्नत चरण** में हैं।
- **वित्तीय प्रगति:**
  - भारत सरकार ने 48,000 करोड़ रुपए आवंटित किये, जिनमें से 46,585 करोड़ रुपए **(97%) शहरों को जारी किये जा चुके हैं।**
  - जारी धनराशि का **93%** उपयोग किया जा चुका है।
  - मिशन के अंतर्गत **74 शहरों** को पूर्ण वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है।

SCM परियोजनाओं के कार्यान्वयन में क्या चुनौतियाँ हैं?

- **लागत और वित्तपोषण:** स्मार्ट सिटी बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये मौजूदा प्रणालियों को उन्नत करने, सेंसर लगाने और नेटवर्क को बनाए रखने में **महत्त्वपूर्ण निवेश** की आवश्यकता होती है।
    - जबकि 74 शहरों को उनके केंद्रीय हिस्से का 100% हिस्सा मिल चुका है, परियोजनाओं की धीमी प्रगति के कारण **26 शहरों को अभी भी पूर्ण धनराशि प्राप्त नहीं हुई।**
- **विस्थापन और सामाजिक प्रभाव:** [विश्व बैंक]() के अनुसार, भारत के शहरी क्षेत्रों में **49% से अधिक आबादी मलिन बस्तियों** में रहती है।
    - स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के **क्रियान्वयन के कारण गरीब क्षेत्रों के निवासियों, जैसे कि सड़क विक्रेताओं**, को विस्थापित होना पड़ा है, जिससे शहरी समुदायों का ताना-बाना बाधित हुआ है।
- **परियोजना पूर्ण होने में विलंब:** समय सीमा बढ़ाए जाने के बावजूद, बड़ी संख्या में परियोजनाएँ **(लगभग 10%) अभी भी अपूर्ण हैं**, जो निष्पादन में विलंब को दर्शाता है।
    - इसका कारण **अपर्याप्त योजना, तकनीकी विशेषज्ञता का अभाव,** तथा **भूमि अधिग्रहण एवं मंज़ूरी में समस्याएँ** हो सकती हैं।
- **गोपनीयता और डेटा सुरक्षा:** सेंसरों, उपकरणों और नागरिकों से विशाल मात्रा में डेटा का संग्रह और विश्लेषण, **डेटा उल्लंघन, अनधिकृत पहुंच और दुरुपयोग** के बारे में चिंताएँ पैदा करता है।
    - जनता का विश्वास बनाने के लिये मज़बूत **साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना, गोपनीयता की रक्षा करना और स्पष्ट डेटा शासन नीतियों** को लागू करना आवश्यक है।
- **समन्वय का अभाव: प्राथमिकताओं में अंतर, नौकरशाही बाधाओं** और **भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों में स्पष्टता की कमी** के कारण केंद्र, राज्य और स्थानीय सरकारों के बीच प्रभावी समन्वय एक चुनौती रहा है, जिससे मिशन के निर्बाध कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न हुई है।
- **स्थिरता संबंधी चिंताएँ:** स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की **दीर्घकालिक स्थिरता** के बारे में संदेह है, क्योंकि उनमें से कई **शहरी नियोजन और शासन के मूलभूत मुद्दों** पर ध्यान देने के बजाय **प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों** पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
    - SCM ने **स्मार्ट शहर के लिये एक सार्वभौमिक परिभाषा के अभाव को स्वीकार** किया है।

शहरी विकास से संबंधित अन्य सरकारी पहल क्या हैं?

- [शहरी कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये अटल मिशन (अमृत)]()
- [प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (PMAY-U)]()
- [क्लाइमेट स्मार्ट सिटीज़ असेसमेंट फ्रेमवर्क 2.0]()
- [ट्यूलिप- द अरबन लर्निंग इंटर्नशिप प्रोग्राम]()

आगे की राह

- **फंडिंग संबंधी समस्या का समाधान :** [PPP मॉडल]() पर विचार करने तथा **केंद्रीय, राज्य और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता प्राप्त करने** की आवश्यकता है। कुशल उपयोग और समय पर परियोजना प्रगति के लिये पारदर्शी निधि आवंटन और नियमित निगरानी सुनिश्चित करना।
- **क्षमता निर्माण: क्षमता निर्माण कार्यक्रमों** और पुनर्गठन तथा कौशल विकास के लिये केंद्र सरकार के समर्थन के माध्यम से **शहरी स्थानीय निकायों (ULB)** को मज़बूत करने से विशेष रूप से छोटे शहरों में शासन और परियोजना निष्पादन में वृद्धि होगी।
    - भारत को अन्य विकासशील देशों के साथ सहयोग करके तथा क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर स्मार्ट सिटी पहलों में तेज़ी लाने के लिये **ज्ञान-साझाकरण मंच** स्थापित करके **सतत् शहरी विकास** में अपने नेतृत्व का लाभ उठाना चाहिये।
- **समय पर परियोजना पूर्ण करना: विस्तृत नियोजन को प्राथमिकता देने, भूमि अधिग्रहण** जैसी बाधाओं को दूर करने तथा **विशेष परियोजना प्रबंधन दल** तैनात करने की आवश्यकता है। तेज़ी से निष्पादन के लिये समय पर अनुमोदन और मंज़ूरी सुनिश्चित करने के लिये **नौकरशाही प्रक्रियाओं** को सुव्यवस्थित करना।
- **डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करना: पारदर्शिता और गोपनीयता** सुनिश्चित करने के लिये मज़बूत **साइबर सुरक्षा उपायों** और **स्पष्ट शासन ढाँचे** के साथ एक **व्यापक डेटा सुरक्षा नीति** स्थापित करना।
    - इसके अलावा, विश्वास बनाने और डेटा के दुरुपयोग के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिये सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा दिया जाना चाहिये।
- **स्थिरता और दीर्घकालिक योजना:** स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को नियोजन में पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक विचारों को एकीकृत करके **स्थिरता को प्राथमिकता** देनी चाहिये।
    - स्मार्ट सिटी बुनियादी ढाँचे की दीर्घायु और अनुकूलनशीलता सुनिश्चित करने के लिये दीर्घकालिक **संचालन और रखरखाव (O&M) रणनीतियों** का विकास महत्त्वपूर्ण होगा।

निष्कर्ष

छोटे शहरों में थर्ड-पार्टी असेसमेंट और क्षमता निर्माण के लिये सिफारिशें स्मार्ट सिटीज़ मिशन में मज़बूत तंत्र की आवश्यकता को उजागर करती हैं। समय पर हस्तक्षेप, शासन सुधार और प्रभाव आकलन से कार्यवाही योग्य अंतर्दृष्टि मौजूदा चुनौतियों का समाधान कर सकती है और भारत में अधिक समावेशी और प्रभावी शहरी परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

??????? ?????? ???????:

प्रश्न: भारत में स्मार्ट सिटीज मिशन के समक्ष आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। इन चुनौतियों से निपटने के लिये उपाय सुझाएँ और सतत् शहरी विकास को बढ़ावा देने में मिशन की प्रभावशीलता सुनिश्चित कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. भारत में नगरीय जीवन की गुणता की संक्षिप्त पृष्ठभूमि के साथ, 'स्मार्ट नगर कार्यक्रम' के उद्देश्य और रणनीति बताइए। (2016)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/third-party-audit-for-smart-cities-mission